तैयारी. दूसरे राज्यों से इवीएम प्राप्त करने की कवायद शुरू, चार माह शेष

जल्द इलेक्शन मोड में आयेगा प्रशासन

प्रतिनिधि ▷ औरंगाबाद शहर

जिला प्रशासन अब जल्द ही पूरी तरह इलेक्शन मोड में होगा. फिलहाल इलेक्शन प्लानर की समयसीमा के अनुसार तैयारियों को अंजाम देने में अधिकारी जुट गये हैं. निर्वाचन विभाग का अब पूरा फोकस विधानसभा चुनाव से चार माह पूर्व की गतिविधियों पर है. निर्वाचन विभाग बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा भी इससे संबंधित निर्देश दिया गया है. दो दिन पहले हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आवश्यक कार्यों को पूर्ण करने का आदेश निर्वाचन विभाग को प्राप्त हुआ है. जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम व उप निर्वाचन पदाधिकारी समेत अन्य पदाधिकारियों के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में चुनाव की तैयारी शुरू करने का आदेश प्राप्त होने से इसके संकेत मिल रहे हैं कि विधानसभा चुनाव समय पर ही हो सकता है. वैसे आदेश मिलने के बाद पूर्व से चली आ रही निर्वाचन विभाग की तैयारियों में और तेजी आ गयी है. हालांकि पदाधिकारी विधानसभा चुनाव की तिथि आदि के बारे में फिलहाल कुछ भी बताने से इन्कार कर रहे हैं. लेकिन, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा प्राप्त मार्गदर्शन व निर्देश के बाद इलेक्शन प्लानर के तहत गतिविधियां शुरू कर दी गयी है. जिले में दूसरे राज्यों से ईवीएम व वीवीपैट मशीन लायी जायेगी. इसके लिए आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी गयी है. निर्देश के मुताबिक ईवीएम प्राप्त होने के बाद इसकी प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) करायी जायेगी. इसके साथ ही कर्मियों का डाटा बेस भी तैयार करने को कहा गया है. वैसे समीक्षा में पाया गया है कि जिले में पर्याप्त संख्या में कर्मी हैं. वहीं जिला निर्वाचन पदाधिकारी, निर्वाची पदाधिकारी, सहायक निर्वाची पदाधिकारी, मास्टर ट्रेनर्स समेत निर्वाचन से संबंधित अन्य कर्मियों को प्रशिक्षण देने की व्यवस्था करने को कहा है. साथ ही जिला निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाइट को अपडेट करने का निर्देश भी निर्वाचन विभाग बिहार द्वारा दिया गया है. उप निर्वाचन पदाधिकारी जावेद इकबाल ने बताया कि इलेक्शन प्लानर के तहत विधानसभा चुनाव से चार महीने पूर्व की सारी गतिविधियों को शुरू करने का निर्देश मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा दिया गया है. इसी के अनुसार तैयारियां की जा रही है.

आपराधिक मामलों की हो समीक्षा : निर्वाचन से संबंधित दर्ज आपराधिक मामलों की समीक्षा नियमित रूप से करने का निर्देश मिला है. ये सभी मामले पूर्व के चुनावों में दर्ज हुए हैं. लोकसभा चुनाव 2019, विधानसभा चुनाव 2015 तथा लोकसभा चुनाव 2014 में कई आपराधिक मामले दर्ज हुए हैं. नियमित रूप से इसकी समीक्षा करते हुए समय पर निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है.

बूथों का जायजा लेंगे निर्वाची पदाधिकारी

निर्देश के अनुसार सभी निर्वाची पदाधिकारी और सह निर्वाची पदाधिकारी स्वयं अपने क्षेत्रों के मतदान केंद्रों का निरीक्षण करेंगे. इस दौरान वे मतदान केंद्रों पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की जांच करेंगे, ताकि मतदान करने आये वोटरों को कोई दिक्कत न हो. साथ ही जरूरत के अनुसार सोशल डिस्टैंसिंग का पालन कराया जा सके. बूथों पर दिव्यांग मतदाताओं के लिए मुकम्मल व्यवस्था के अतिरिक्त शौचालय, पेयजल, बिजली, शेड समेत अन्य सुविधाओं की कहां-कहां जरूरत है, इसका भी सत्यापन कर रिपोर्ट तैयार करेंगे. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से यह भी निर्देश दिया गया है कि यदि निर्वाचन से संबंधित पद पर कोई रिक्तियां हो, तो उसकी सूची यथाशीघ्र उपलब्ध कराएं.

❝ उप निर्वाचन पदाधिकारी जावेद इकबाल ने बताया कि निर्देश के अनुसार इलेक्शन प्लानर के तहत तैयारियां की जा रही है. निर्वाचन विभाग विधानसभा चुनाव को लेकर अपने स्तर से पूरी तरह तैयार है. विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम से लेकर जिला स्तरीय मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार आमलोगों के बीच कराया जायेगा, ताकि अधिक से अधिक से लोग लाभान्वित हो सकें. कोरोना महामारी में बंद हुए जिला संपर्क केंद्र (हेल्पलाइन नंबर- 1950) भी चालू कराये जायेंगे. इससे लोगों को सहूलियत होगी.